Poorest Areas Civil Society (PACS) Programme

Case Study Team Template

शीर्षक :– **टभ्छक (टीकाकरण) दिवस में गर्भवती महिलाओं का खुले में जॉच होना एवं स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध न होना ।**

पूर्व की स्थिति :– ग्राम गुरैया में ब्लाक अमरवाड़ा वी.एच.एन.डी. दिवस पर ग्रामीण अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/मुस्लिम महिलाओं को स्वास्थ्य की सही सलाह व स्वास्थ्य सुविधा एवं पोषण आदि की जानकारी न होना तथा वी.एच.डी. दिवस पर मिलने वाली सुविधायें ऑगनवाड़ी केन्द्र में न दिया जाना आदि की समस्या बनी हुई थी, जिसके कारण आषा कार्यकर्ता श्रीमति आषा चंद्रवषी ने टीकाकरण से संबधित साम्रगी अपने घर में रखी हुए है । जिसके कारण ग्रामीण महिलाओं का टीकाकरण दिवस पर खुले में जॉच होने से ग्राम की गर्भवती महिलाऐं इसकी सुविधाऐं प्राप्त नही कर पाती है ।

आषा/ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा ऑगनवाड़ी भवन में साम्रगी व सुविधा उपलब्ध न कराना:–

- पंचायत भवन में ऑगनवाड़ी केन्द्र लगते हुये भी ऑगनवाड़ी में व्यवस्था न होना ।

- आषा , ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा स्वास्थ्य की सही सलाह व सुविधा न देना ।
- सेवा प्रदाताओं द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधा न देना ।
- गर्भवती एवं धात्री महिला व किषोरी बालिकाओ को पोषण आहार की सुविधा उपलब्ध न कराना ।
- आषा कार्यकर्ता ने टीकाकरण से संबंधित साम्रगी अपने घर पर रखकर उपयोग करना ।
- ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रति मंगलवार का पोषण आहार अपने घर से वितरण करना ।

वर्तमान स्थिति :– ग्राम गुरैया में पैक्स परियोजना व स्वाधिकार संस्थान नई दिल्ली एवं एस.जे.के.एस. समिति के तत्वाधान में ग्राम गुरैया में वंचित समुदाय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एव गरीब परिवारो के साथ मिलकर एच.ए.जी.ग्रुप के साथ नियमित बैठक के माध्यम से एन.आर.एच.एम. के अतंर्गत और आषा कार्यकर्ता, ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता, ए.एन.एम. एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मिलने वाली सुविधाऐं की जानकारी से अवगत कराया गया ।

- जननी सुरक्षा योजना ।
- जननी षिषु सुरक्षा कार्यक्रम
- वी.एच.एन.डी. (टीकाकरण दिवस)
- तदर्थ समिति ।
- आषा/ऑगनवाडी के कार्य ।
- पोषण आहार ।

जननी सुरक्षा योजना :– ग्राम गुरैयाढाना में जननी सुरक्षा योजना के अतंर्गत ग्रामीण गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसव करवाने के लिये जननी

एक्सप्रेस वेन का लाभ समय पर नही मिलता था । जिसके कारण महिलाओं को असुविधाऐं और कई समस्याये का सामना करना पड़ता था । जिसके कारण महिला या बच्चे की रास्ते में मृत्यु हो जाती है । परन्तु समिति द्वारा स्वास्थ्य संवाद समूह और समुदाय के साथ नियमित बैठकों में जननी सुरक्षा योजना कार्यक्रम में संस्थागत प्रसव के अतंर्गत गरीब गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व व पष्चात् देखभाल के लिए आर्थिक सहायता एकत्रित करती है और जिससे वे संस्थागत् प्रसव करा सके । इसी समझाईष के साथ स्वास्थ्य संवाद समूह के लोग अपने अधिकारों के प्रति मांग करने के लिए आगे आने लगे है ं।

जननी षिषु सुरक्षा कार्यक्रम :– सी.बी.ओ. एवं समुदाय के साथ नियमित चर्चाओं के द्वारा जननी षिषु सुरक्षा कार्यक्रम ग्राम गुरैया में अधूरी जानकारी तथा सेवा प्रदाताओ के द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओं को समय पर जॉच और स्वास्थ्य संबंधी सलाहें नही होने की वजह से महिलाऐ स्वास्थ्य की सेवाऐ तक अपनी पहूॅच नही बना पाने के कारण गर्भ के दौरान महिला के स्वास्थ्य में गिरावट आने लगी, जिसकी वजह से महिला की मृत्यु या षिषु की मृत्यु दर की घटनाऐं घटने लगी ।

एवं स्वास्थ्य संवाद समूह के सदस्यों के द्वारा सेवा प्रदाता आषा, ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया गया, जिससे ग्राम गुरैया में टीकाकरण दिवस पर गर्भवती व धात्री महिलाओं को समय स्वास्थ्य सुविधाऐं देने लगी ।

वी.एच.एन.डी. दिवस :– स्वास्थ्य व पोषण दिवस पर स्वास्थ्य संवाद समूह व समिति सदस्यों द्वारा टीकाकरण दिवस पर उपलब्ध होने वाली सेवा के उद्देदष्य से ग्राम स्वास्थ्य दिवस की जानकारी देना व लाभार्थियों की सूची बनाना आषा की जिम्मेदारी, दवाई, टीकों व अन्य वस्तुओं की पहले से व्यवस्था, जॉच व टीकाकरण करना । ए.एन.एम. जिम्मेदार भूमिका में

शामिल है जिसमें गर्भवती, धात्री,एवं किषोरीयों को पोषण आहार उपलब्ध कराना ऑगनवाड़ी की सेवाऐ है ।

इन्ही सलाहों के साथ स्वास्थ्य संवाद समूह में नियमित बैठकों से सी.बी.ओ. के सदस्य ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस पर ऑगनवाड़ी केन्द्र में जाकर ध्यान देने लगे है । और ग्राम गुरैया में गर्भवती व धात्री महिलाए, प्रसव पूर्व, प्रसव दौरान जॉच कराने लगी है ।

लेकिन गर्भवती व धात्री महिलाओं की टीकाकरण दिवस पर खुले स्थान पर जॉच की जाती थी, जिससे गर्भवती व धात्री महिलाऐं टीकाकरण दिवस पर आना पसंद नही करती थी । एवं स्वास्थ्य संवाद समूह के माध्यम से अब महिलाओं की जॉच पर्दे व बंद कमरे में की जाती है ।

तदर्थ समिति :– ग्राम गुरैया में ऑगनवाड़ी और आषा कार्यकर्ता के बीच आपसी तालमेल न होने के वजह से तदर्थ समिति के द्वारा निर्धारित व्यवस्थ्याओ का लाभ ग्रामीण महिलाओ को नही मिल पा रहा था । एच.ए.जी. एवं समुदाय की जानकारी के अनुसार आषा कार्यकर्ता श्रीमति आषा साहू ने तदर्थ समिति क्या है, और उसका लाभ किस प्रकार दिया जाता है, इसकी जानकारी से लोगों को वंचित रखा हुआ था, परन्तु सी.बी.ओ. की नियमित बैठकों स्वास्थ्य संवाद समूह के सदस्यों ने आषा कार्यकर्ता से इसकी जानकारी लेना शुरू कर दी, और आषा के मकान से तदर्थ समिति के पैसो से खरीदा गई साम्रगी ऑगनवाड़ी केन्द्र में लाके रखा गया और टीकाकरण दिवस के चौथे शुक्रवार को प्रारम्भ किया गया ।

आषा/ऑगनवाड़ी के कार्य :–ग्राम गुरैया में आषा व ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यों के प्रति जिम्मेदार न होने से महिलाओं को स्वास्थ्य का लाभ व सही सलाह नही मिल पा रही थी, परन्तु स्वास्थ्य

संवाद समूह के जागरूक होने से ऑगनवाड़ी, आषा कार्यकर्ता के कार्यों में बदलाव देखा गया है ।

पोषण :– श्रीमति पुनिया परतेती ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा माह के दो मंगलवार को पोषण आहार अपने घर से वितरण करना और बाकी का पोषण आहार को बेच देने से गांव की गर्भवती व किषोरी बालिका को पोषण आहार न दिये जाना एवं ऑगनवाड़ी में बच्चों के मध्यान्ह भोजन पर लापरवाही बताना जिससे गांव के लोग अपने बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को ऑगनवाड़ी केन्द्र में जाने से मना करने लगे । परन्तु स्वास्थ्य संवाद समूह के लगातार प्रयासों से पोषण आहार को समय पर वितरण किया जाने लगा ।

स्थान एंव ग्राम :– च्भ्ब (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र) सिंगोड़ी ग्राम गुरैया ब्लाक अमरवाड़ा

जिला छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

स्टोरी :– पैक्स परियोजनांतर्गत व लीड संस्था स्वाधिकार नई दिल्ली एंव सत्यकाम जनकल्याण समिति द्वारा केस स्टोरी पर निम्नलिखित जानकारी का संक्षिप्त ब्यौरा ।

ग्राम का नाम – गुरैया (ब्लाक अमरवाड़ा)

जिला – जिला छिन्दवाड़ा

<u>संस्था से संबंधित जानकारी</u>

संस्था प्रमुख के नाम – शबाना आजमी(**सचिव**), अषोक मंदरे(**अध्यक्ष**)

संस्था का नाम – सत्यकाम जनकल्याण समिति (**श्रज्ञै**) जिला छिन्दवाड़ा **(म.प्र.)**

संस्था का प्रकार – स्वास्थ्य संवाद समूह (एच.ए.जी. एंव पी. एस.सी.) फेसिलेटर

जिला – छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

निष्कर्ष :– सेवा प्रदाता, आषा, ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता का अपनी जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाह होना ।

शबाना आजमी

जिला सुपरवाइजर

एस.जे.के.एस. छिन्दवाड़ा